एग्रोविजन दशकपूर्ति कृषि प्रदर्शनी से विदर्भ में आएंगी कृषि परिवर्तन की लहर- गडकरी

- चार दिवसीय एग्रोविजन दशकपूर्ति कृषि प्रदर्शनी का आयोजन 23 से 26 नवंबर तक
- एकदिवसीय परिषद, भव्य राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी, भव्य पशु प्रदर्शनी, एग्रोविजन कृषि मंथन, इनोवेशन, स्टार्ट अप होंगे आकर्षण का केंद्र

नागपुर

दसवें एग्रोविजन की चार दिवसीय प्रदर्शनी 23 से 26 नवंबर तक रेशमबाग मैदान नागपुर में आयोजित की जा रही है। इसके लिए एक पत्र परिषद का आयोजन लक्ष्मीनगर चौक स्थित एक हॉटेल में केंद्रीय सड़क परिवहन व जहाज़रानी मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में किया गया। पत्रपरिषद को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि इस दसवीं एग्रोविजन दशकपूर्ति कृषि प्रदर्शनी से विदर्भ में कृषि परिवर्तन की लहर आएंगी।

उन्होंने विदर्भ के किसानों को शिक्षित करने, कृषिज्ञान, तकनीकि प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ अध्याधुनिक तकनीक, प्रस्तुत करने के दालान, कृषि विषय पर परिचर्चा, विदर्भ के खेती को नई दिशा देनेवाले परिषद के साथ ही भव्य पशु प्रदर्शनी, एग्रीथॉन और किसानों के गौरव एग्रोविजन अवॉर्ड सम्मेलन आदि को इस प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण बताया। गडकरी ने आगे कहा कि एग्रोविजन का मुख्य आकर्षण वाले कार्यशाला में उत्पादन का तकनीकि, खेती प्रणाली, अन्य व्यवसाय, अत्याधुनिक तकनीक, बाजार सुविधा, मूलभूत सुविधाओं जैसे अन्य विषयों पर करीब 25 कार्यशालाओं द्वारा अधिक विस्तृत रूप में जानकारी के लिए कार्यशालाओं के आयोजन विशाल स्वरूप में रखे जाएंगे। देशभर से इसके विशेषज्ञ किसानों के मार्गदर्शन के लिए आएंगे। इसके साथ ही विदर्भ के सफल किसानों की गौरव गाथा से प्रेरणा लेने का अवसर युवा किसानों को दिया जाएगा। नई फसल, पानी व्यवस्था, नए-नए व्यवसाय, आधुनिक तकनीक इत्यादि का इस कार्यशाला में समावेश होगा। इसके अलावा 5 प्रमुख विषयों पर कार्यशालाएं होंगी।

इस वर्ष प्रदर्शनी में खेती में फव्वारा का आधुनिक उपकरण, मजदूर समस्या से कैसे निपटें व ऐसे महत्वपूर्ण उपकरण, संतरा व अन्य फसलों हेतु उपकरण, फसल कटाई के पश्चात तकनीकि ज्ञान, स्वयंचालित मशीनरी जैसी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा इस प्रदर्शनी में एक दिवसीय परिषद, भव्य राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी, भव्य पशु प्रदर्शनी, एग्रोविजन कृषि मंथन, इनोवेशन, स्टार्ट अप जैसे विषय भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पुरस्कार समूह में फल उत्पादन, कृषि पूरक व्यवसायों में मत्स्यपालन, मधुमख्खी पालन, भेड़ बकरी पालन, रेशम उत्पादन, कुक्कुट पालन, सुखी जमीन पर सफल खेती, दुग्ध उत्पादन व्यवसाय व जलसंचय जैसे क्षेत्रों को समाविष्ट कर इन्हें विभिन्न समूह में पुरस्कृत किया जाएगा।

इस पत्रपरिषद में पत्रकारों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे। प्रमुख रूप से एग्रोविजन सलाहकार समिति के अध्यक्ष डी.सी. मायी, आयोजन समिती के सचिव रवि बोरटकर, रामटेक के सांसद कृपाल तुमाने, प्रो. जोगेंद्र कवाडे, रमेश मानकर, अशोक मानकर; डॉ. मिलींद माने आदि उपस्थित थे।